वर्ष 10 अंक 8
अगस्त 2018

वानिकी समाचार

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

अनुक्रमणिका

पृ.सं. शीर्षक

01 ➔ समझौता ज्ञापन
01 ➔ महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
03 ➔ विदेश दौरे
03 ➔ प्रकाशन
03 ➔ कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
04 ➔ राजभाषा समाचार
05 ➔ प्रशिक्षण कार्यक्रम
07 ➔ गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा
07 ➔ जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम
07 ➔ मानव संसाधन समाचार

समझौता ज्ञापन :

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के मध्य 28 अगस्त 2018 को कृषि भवन, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। समझौता ज्ञापन डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून तथा डॉ. त्रिलोचन महापात्रे, महानिदेशक, भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली द्वारा हस्ताक्षरित किया गया।

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष :

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- अपचायी शर्करा के इष्टतम निष्कर्षण के बाद पूर्व–उपचारित खोई अवशिष्ट का लुगदी में सफल परिवर्तन प्राप्त किया गया। लुगदी उपज का एक महत्वपूर्ण स्वरूप पाया गया जो पूर्व उपचार परिस्थितियों को लुगदीकरण स्थितियों से सहसंबंधित करता था। पूर्व–उपचारित खोई तथा अनुपचारित खोई के लुगदीकरण के बाद प्राप्त ब्लैक लिकर से अवशेष अपचायी शर्करा मात्रा की तुलना की गई। पहले वाले की शर्करा मात्रा बाद वाले से बहुत कम थी।
- परियोजना ''भारत के *टेटीगोनाइडी (अर्थोप्टेरा)* का वर्गिकी अध्ययन (ए.आई.सी.ओ.पी.टी.ए.एक्स.,प.व.ज.प.मं.) के अंतर्गत न्यू फॉरेस्ट क्षेत्र का सर्वेक्षण किया गया। वन में केवल अर्भकीय चरण पाए गए।
- डाबर इंडिया प्रा.लि. द्वारा वित्तपोषित परियोजना ''स्व–स्थाने पर्ण अर्बुद उत्पादन की ससिडोलॉजी एवं पौधशाला स्थापना हेतु संभावनाओं का अन्वेषण'' के अंतर्गत सपंख *एफिडस* को प्रसंस्कृत किया गया तथा उनके रूपिमविज्ञान अध्ययनों हेतु स्लाइडों पर आरूढ़ किया गया।
- *एपेनटेलस* प्रजा. के उद्गमन हेतु न्यू फॉरेस्ट, देहरादून के वानिकी वृक्षों जिनमें *पोन्गैमिया पिन्नाटा, डैल्बर्जिया सिस्सू,* तथा *यूकेलिप्टस* प्रजा. सम्मिलित थे, से 15 कीटडिंभ नमूने एकत्रित किए गए। परियोजना ''उत्तराखंड तथा हरियाणा से *एपेनटेलस* प्रजाति (हाइमेनोप्टेरा : ब्राकोनिडी) के कीटडिंभ परजीवियों की मेजबान रेंज पर वर्गिकी अध्ययन'' के अंतर्गत *एपेनटेलस* प्रजा. का स्लाइड निर्माण तथा प्रजाति चिन्हीकरण प्रगति में हैं।
- अंड परजीव्याभों के उद्गम हेतु न्यू फॉरेस्ट देहरादून के विभिन्न वानिकी वृक्षों जिनमें *पोन्गैमिया पिन्नाटा, डैल्बर्जिया सिस्सू* तथा *कैसिया फिस्टुला* सम्मिलित थे, से कीट अंड के

10 नमूने एकत्र किए गए। ऐकेशिया वृक्ष पर *ऑक्सीरेचिस टेरेंडस* के अंडों से उन्मज्जनित परजीव्याभ *ब्राचिग्रामेटिला इंडिका* (ट्राइकोग्रामेटिडि) का विस्तृत रूपिमविज्ञान अध्ययन किया गया। परियोजना ''उत्तरी भारत (हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड) से हाइमेनोपट्रेन अंड परजीव्याभों की मेजबान रेंज तथा विविधता पर अध्ययन'' के अंतर्गत कार्डों पर आरूढ़ विभिन्न अंड परजीव्याभों का छायाचित्रण किया गया।

- संक्रमित बांस प्रजातियों को क्षेत्र से एकत्रित किया गया, परीक्षित किया गया तथा जिंक, काष्ठ, चिमनी एवं बाहरी पिजरों में पालन हेतु रखा गया। *सी. एनयुलेरिस* का जीव विज्ञान अध्ययन जारी है। सूखे बांस के टुकडों को उपचार हेतु काष्ठ परिरक्षण प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान को भेजा गया। परियोजना ''*क्लोरोफोरस एनयुलेरिस* फैब. कटे व सूखे बांस का एक मुख्य छेदक'' (कोलियोप्टेरा : सिरामबाइसिडी) का महामारी विज्ञान एवं प्रबंधन के अंतर्गत कीटशाला में छेदक के प्रबंधन हेतु प्रणालीगत एवं संपर्क कीटनाशकों के उपयोग से प्रयोगात्मक परीक्षण किए गए।
- विभिन्न वन उप–प्रकारों के क्षेत्र (कुमाऊं) से लायी गई 11 पादप प्रजातियों के हर्बेरियम नमूनों को चिन्हित, परिरक्षित किया गया तथा छायाचित्रों को आंकड़ा भंडार में संकलित किया गया। विभिन्न वन प्रकारों के अंतर्गत तितलियों की प्रजातियों के आंकडा भंडार को विगत दौरे के दौरान नमूना ली गई 56 प्रजातियों के आकडों में से 14 नवीन प्रजातियों के आंकडों को संकलित कर 169 प्रजाति नमूनों तक अद्यतनीकृत किया गया। परियोजना ''उत्तराखंड में विभिन्न वन प्रकारों/उप–प्रकारों से संबद्ध तितलियां'' के अंतर्गत साहित्य सर्वेक्षण के आधार पर विभिन्न वन–प्रकारों के अंतर्गत तितलिया नमूना ली गई 106 प्रजतियों के खाद्य पादपों का आंकड़ा भंडार तैयार किया गया।
- सर्वेक्षण के दौरान लेपीडोप्टेरा की 6 प्रजातियों को उनके चिन्हीकरण के अतिरिक्त जीवन इतिहास हेतु पालन किया गया। पूर्व में, क्षेत्र से एकत्रित खारसु ओक के कुन्दों पर संक्रमित छेदक को प्रयोगशाला में बन ओक पर पोषित *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनस* तथा *एफ्रोडिसियम हार्डविकिएनम* के जीवन चक्र पर पालन प्रयोगों हेतु रखा जा रहा है। परियोजना ''पश्चिमी हिमालयी ओक के नाशीकीट तथा उनका नियंत्रण'' के अंतर्गत पश्चिमी हिमालय के नाशी कीटों पर आंकड़ा भंडार को लेपीडोप्टेरा की 10 प्रजातियों पर सूचना संकलित कर अद्यतनीकृत किया गया ।
- भृंगों की 650 प्रजातियों को डिजीटलीकृत किया गया तथा लगभग 600 प्रजातियों के 1200 छायाचित्रों को संपादित एवं संग्रहीत किया गया। संपादित प्रजातियों हेतु आंकड़ा भंडार को अद्यतनीकृत किया गया। परियोजना ''वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह (एन.एफ.आई. सी.) का डिजीटलीकरण एवं संवर्धन, चरण – II (सूक्ष्म कीट) के अंतर्गत *मधुका लांगिफोलिआ* के पर्णों पर छिद्र अर्बुद करने वाली युलोफिड प्रजातियों का वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, देहरादून में इलैक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी अवलोकन किया गया।
- परियोजना ''पोपलर पर्ण निष्पत्रक, *क्लोसटेरा क्युप्रेटा* बट के विरूद्ध पोपलर कृन्तकों की सहनशीलता हेतु जांच'' के अंतर्गत 5 कृन्तकों के पोपलर पर्णों का *क्लोसटेरा क्युप्रेटा* के लिए जीवविज्ञान, जैवरसायन विश्लेषण हेतु एकत्रण एवं पालन प्रगति में है।
- धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) में *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* के प्रारंभिक वृद्धि आंकड़े दर्ज किए गए। फतेहपुर पेलिओ (सहारनपुर) और धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) दोनों स्थलों के मृदा नमूनों का विश्लेषण प्रगति में है। परियोजना ''उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश की निम्नीकृत भूमियों में *मेलिना आर्बोरिया* तथा *ऐम्बलिका ऑफिसिनेलिस* आधारित कृषि वानिकी मॉडलों का विकास'' के अंतर्गत उपर्युक्त दोनों स्थलों में *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* की रोपणियों का अनुरक्षण एवं अनुश्रवण जारी है।
- धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) के दोनों स्थलों में कचनार *(बौहीनिया वेरिगाटा)*, भीमल *(ग्रीविआ ऑपटिवा)* तथा कदंब *(एथोंसिफेलस कदंबा)* के प्राथमिक वृद्धि आंकड़े दर्ज किए गए। धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) के दोनों स्थलों से मृदा नमूने एकत्रित किए गए। परियोजना ''उत्तराखंड में कृषकों की भूमियों में वर्षा आधारित परिस्थितियों में कचनार *(बौहीनिया वेरिगाटा)* भीमताल *(ग्रीविआ ऑपटिवा)* तथा कदंब *(एथोंसिफेलस कदंबा)* का विकास'' के अंतर्गत उपर्युक्त दोनों स्थलों में कचनार, भीमल तथा कदंब की रोपणियों का अनुरक्षण एवं अनुश्रवण किया गया।
- उत्तराखंड के मसूरी, चकराता तथा नैनीताल क्षेत्रों से *हबेनेरिआ इंटरमीडिआ* तथा *हबेनेरिया एजवर्थी* के पादप, पादप रसायनिक मूल्यांकन हेतु एकत्रित किए गए।
- अरूणाचल प्रदेश से एकत्रित *वैलेरियाना जटामांसी* की तीन वन्य आबादियों (ए.पी.3, ए.पी.4 तथा ए.पी. 5) को उनके प्रकंदों में परिवर्तनशील घटकों हेतु पहली बार लक्षण–वर्णित किया गया।
- अल्मोड़ा वन प्रभाग के बिनसर ताकुला में उगने वाली *मायरिका एस्कुलेंटा* की एक वृक्ष आबादी को उनकी छाल के कुल फिनोलिक मात्रा हेतु पहली बार लक्षण–वर्णित किया गया।
- चंपावत वन प्रभाग से एकत्रित *मायरिका एस्कुलेंटा* के फलों को प्रसंस्कृत किया गया तथा उनके रस को पृथक किया गया। रस में कार्बोहाइड्रेट मात्रा नियत की गई।
- *रस इल्लीपटिकस* फलों का व्यापक तथा क्रमिक निष्कर्षण, निष्कर्षण मान का निर्धारण तथा फलों के कुछ भौतिकरसायनिक एवं पौषणिक प्राचलों का मूल्यांकन किया गया।

- भिन्न निष्कर्षण परिस्थितियों के अंतर्गत दो संततियों के नीम बीज नमूनों का निर्धारण किया गया।

शुष्क वन अनुसंधान, जोधपुर :

- वृक्षों की दो प्रजातियों के नवांकुरों पर हाइमेनोप्टेरा की प्रजातियां : *एपिडेइ जायलोकार्पा फेनेस्ट्राटा* और *जायलोकार्पा एसट्यूएन्स* दर्ज की गई तथा 10 वृक्ष प्रजातियों पर निष्पत्रक की 5 प्रजातियां दर्ज की गई। चिन्हीकरण प्रक्रिया में है, मेजबान रेंज का अभिलेखीकरण तथा साहित्य समीक्षा प्रगति में है। *एगल मार्मेलोस* पर कीटभक्षक पक्षी *आर्थोटोमस सूटोरियस* (कॉमन टेलरबर्ड) का घोंसला 4 अंडों तथा 100 स्फुटनता के साथ दोबारा दर्ज किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- हिमाचल प्रदेश के सब–अल्पाइन वनों से तितलियों के प्राणीवर्ग की 52 प्रजातियां उनके मेजबान पादपों के साथ रिपोर्ट की गई, जो कि क्षेत्र में जैवविविधता संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन अनुश्रवण हेतु लाभकारी है।

विदेश दौरे:

अधिकारी का नाम	संस्थान	दौरे का उद्देश्य	समयावधि	स्थान
श्री एन.बाला, वैज्ञानिक–एफ तथा प्रमुख	व.अ.सं., देहरादून	दक्षिण एशिया में वन भूदृश्य श्वसन क्रियान्वित करने हेतु सर्वोत्तम पद्धतियां	14–18 अगस्त 2018	चिलाव, श्रीलंका
डॉ. मीना बक्शी, वैज्ञानिक–ई	व.अ.सं, देहरादून	11वीं विश्व बांस कांग्रेस	14–18 अगस्त 2018	जाल्पा (वेराक्रूज), मेक्सिको

11वीं विश्व बांस कांग्रेस

प्रकाशन :

- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 02 पैम्फेलेट्स प्रत्येक की 50 प्रतियां प्रकाशित की :
  1. प्रोडक्टीविटी इनहैन्समेन्ट ऑफ कैर फरूट थिल्ड विद द यूज ऑफ आर्गनिक एंड इनआर्गनिक फर्टीलाइजर्स।
  2. विभिन्न जैविक व रासायनिक खादो के संयोजन से कैर फल उत्पादन में वृद्धि।

कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें :

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
1.	अनुसंधान अध्येताओं की मासिक संगोष्ठी–I	10 अगस्त 2018	व.आ.वृ.प्र.सं. के 40 जे.आर.एफ. / एस.आर.एफ.
2.	प्रौद्योगिकियों तथा पेटेंट के वाणिज्यीकरण पर संगोष्ठी	21 अगस्त 2018	45 वैज्ञानिक / अधिकारी, विभागाध्यक्ष तथा तकनीकी कार्मिक

व.आ.वृ.प्र.सं. में प्रौद्योगिकियों तथा पेटेंट के वाणिज्यीकरण पर संगोष्ठी

व.आ.वृ.प्र.सं. में अनुसंधान अध्येताओं की मासिक संगोष्ठी

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

3.	राजस्थान में संवहनीय उत्पादन हेतु कृषि वानिकी अनुसंधान	17 अगस्त 2018	शु.व.अ.सं. के 28 वैज्ञानिक/तकनीकी कार्मिक/अनुसंधान अध्येता
4.	जोधपुर जिले के सामुदायिक रिजर्व क्षेत्रों में विकसात्मक योजना तथा जागरूकता सृजन हेतु जैव विविधता तथा लोगों की अवधारणा का आकलन	21 अगस्त 2018	10 एस.एफ.डी., एन.जी.ओ. तथा कृषक

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

5.	वनों की गुणवत्ता सुधार हेतु वन पौधशाला की भूमिका	28 अगस्त 2018	वैज्ञानिक, अधिकारी तकनीकी सहायता कार्मिक एवं अनुसंधान अध्येता

हि.व.अ.सं., शिमला में वनों की गुणवत्ता सुधार हेतु वन पौधशाला की भूमिका

राजभाषा समाचार :

- दिनांक 30 अगस्त, 2018 को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा राजभाषा हिन्दी में पिछले चार महीनों में किये गये कार्यो की समीक्षा हेतु राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के सभी प्रभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों ने भाग लिया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम :

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनंवशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
1.	हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणवत्ता रोपण सामग्री उत्पादक	1अगस्त – 6सितम्बर 2018	नई दिल्ली, पश्चिम बंगाल कर्नाटक तथा तमिलनाडु से कौशल भारत विकास कार्यक्रम के 18 प्रतिभागी

व.आ.वृ.प्र.सं. में हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणवत्ता रोपण सामग्री उत्पादक

	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
2.	केरल के कृषकों हेतु व.व.अ.सं., जोरहाट में अगरकाष्ठ और बांस पर प्रशिक्षण आयोजित हुआ	13–17 अगस्त 2018	केरल से 4 प्रतिभागी
3.	बांस, अगरकाष्ठ, लाख कृषि, कृषिवानिकी तथा कृमि खाद पर कौशल विकास प्रशिक्षण वन विकास केन्द्र, असम के अंतर्गत बिश्वनाथ चैरिएली में आयोजित हुआ	17 – 18 अगस्त 2018	असम वन विभाग के 25 कार्मिक, जिला सोनितपुर असम के कृषक, एन.जी.ओ./ जे.एफ.एम.सी. सदस्य
4.	बांस मूल्य वर्धन	20 अगस्त से 18 सितम्बर 2018	व.अ.के.बा.बें. बी.डी.ए., मिजोरम तथा सी.बी.टी.सी. बुर्नीहाट के 25 कार्मिक

व.व.अ.सं., जोरहाट में केरल के कृषकों हेतु अगरकाष्ठ एवं बांस पर प्रशिक्षण

जोरहाट में कौशल विकास प्रशिक्षण

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

5.	शीत मरूस्थल क्षेत्र के जुनिपर तथा महत्वपूर्ण औषधीय पादपों की बीज तथा पौधशाला प्रौद्योगिकियां	20–21 अगस्त 2018	जम्मू व कश्मीर वन विभाग के लेह तथा कारगिल वन प्रभागों के अग्रपंक्ति कार्मिक और प्रगतिशील कृषक

सुमुर, नुब्रा, लेह में शीत मरूस्थल क्षेत्र के जुनिपर तथा महत्वपूर्ण औषधीय पादपों की बीज तथा पौधशाला प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण

6.	जुनिपर प्रवर्धन तथा प्रबंधन पर कृषकों की संवादात्मक बैठक	22 अगस्त 2018	सुमुर तथा खारडुंग ग्रामों से 42 प्रगतिशील कृषक
7.	वैज्ञानिक विधि द्वारा चिलगोजा के शंकुओ का तुड़ान	23–24 अगस्त 2018	ग्राम मूरंग तथा नेसंग, किन्नौर (हि.प्र.) के पंचायत प्रधान, सदस्य तथा ग्रामीण

सुमुर तथा खारडुंग ग्रामों में कृषकों का जुनिपर प्रवर्धन तथा प्रबंधन पर संवादात्मक बैठक

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

8.	लाख एवं तसर की खेती पर प्रशिक्षण	1 अगस्त – 30 सितम्बर 2018	–

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

9.	आंध्र प्रदेश कार्यकारी योजना का प्रारंभिक प्रशिक्षण	9–10 तथा 16–17 अगस्त 2018	–

गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा :

- श्री सी.के. मिश्रा, सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने 16 और 17 अगस्त 2018 को क्रमशः व.अ.सं., देहरादून के हर्बेरियम तथा जायलेरियम का दौरा किया।

श्री सी.के. मिश्रा, सचिव, प.व.ज.प.मं., नई दिल्ली ने व.अ.सं. का दौरा किया।

- श्री शिशिर सिन्हा, माननीय अध्यक्ष, बिहार लोक सेवा आयोग, पटना, बिहार ने 29 अगस्त 2018 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया।
- डॉ. एस.एस. नेगी, भा.व.से. (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, उत्तराखंड ग्राम विकास तथा पलायन आयोग ने 2 अगस्त 2018 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर का दौरा किया।

मानव संसाधन समाचार

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री शंकर शर्मा, हिन्दी अनुवादक (कनिष्ठ) से व.अ.सं., देहरादून में हिन्दी अधिकारी के पद पर पदोन्नत	20 अगस्त 2018

जागरूकता तथा प्रदर्शन कार्यक्रम :

- व.व.अ.सं., जोरहाट ने व.व.अ.सं., जोराहट के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों पर 9 तथा 23 अगस्त 2018 को प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। जे.आई.एस. टी., जोरहाट के 29 छात्रों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर ने 17 अगस्त 2018 को डी.डब्ल्यू.आर. के वैज्ञानिकों के सहयोग से ''पार्थेनियम की समस्या को कैसे प्रबंधित करें'' पर ''पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह'' आयोजित किया। कनिष्ठ अनुसंधान अध्येताओं सहित सभी कर्मचारियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 16–22 अगस्त 2018 तक पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह मनाया। हि.व.अ.सं., शिमला के सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों, अनुसंधान कार्मिकों ने इसमें प्रतिभाग किया।

हि.व.अ.सं., शिमला ने पार्थेनियम जागरूकता समारोह मनाया

सेवानिवृत्ति :

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. के.एस. कपूर, वैज्ञानिक–'जी', हि.व.अ.सं., शिमला	31 अगस्त 2018
श्रीमती ज्योति दुआ, निजी सचिव, भा.वा.अ.शि.प.	31 अगस्त 2018

संरक्षकः
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक
संपादक मंडलः
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), मानद सम्पादक
श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।